University in News on 03 February 2024

HINDUSTAN PAGE 08

एलयू: पंडित दीनदयाल के दर्शन पर चर्चा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ की ओर से पं. दीनदयाल के विचार एवं समाज कार्य व्यवसाय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता मुंबई स्थित टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के डीन रिसर्च प्रो. बिपिन जोजो रहे। उन्होंने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय का दर्शन सर्वकालिक है।

एलयू में नए कॉलेज, कोर्स के आवेदन पांच तक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने नए कॉलेजों और पाठ्यक्रमों को शुरू करने के लिए आवेदन करने की तारीख बढ़ा दी है। अब 5 फरवरी तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन ऑनलाइन होंगे। इस संबंध में कुलसचिव ने आदेश जारी कर दिया है। नया कॉलेज खोलने के लिए और पहले से खुले कॉलेज नए कोर्स शुरू करने के लिए 5 फरवरी तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

एलयू के 12 कर्मचारियों को पदोन्नति दी गई

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 12 कर्मचारियों को पदोन्नति दी गई है। वरिष्ठ सहायक संजीव कुमार सिन्हा, राकेश कुमार सिन्हा, मनोज कुमार वर्मा और अयोध्या प्रसाद गौतम प्रधान सहायक बनाए गए हैं। सुशील कुमार कश्यप, सूर्य प्रकाश श्रीवास्तव, विजय कुमार द्वितीय, एमपी तिवारी, सैय्यद हसन, राकेश चंद्र और राम लखन भी पदोन्नत किए गए हैं। पदोन्नत किए गए कर्मचारियों को एलयू प्रशासन ने बधाई दी।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि से कोर्स की मान्यता के लिए आवेदन पांच तक

माई सिटी रिपोर्टर

18 मई तक मान्यता जारी कर देगा विश्वविद्यालय

लखनऊ। लविवि से नए कोर्स की मान्यता लेने के लिए समयसारिणी जारी कर दी गई है। इसके अनुसार कॉलेजों को पांच फरवरी तक ऑनलाइन आवेदन करना होगा। जरूरी प्रक्रिया पूरी होने के बाद विवि 18 मई तक मान्यता जारी कर देगा। इस पर आपत्ति होने पर शासन स्तर पर मामला निस्तारित करने के लिए 20 जून की समयसीमा तय की गई है।

लविवि कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह की ओर से जारी आदेश के अनुसार मान्यता के लिए अनापत्ति प्रस्ताव पांच तक जमा किए जाएंगे। 20 तक इनका भू संबंधी अभिलेखों से सत्यापन किया जाएगा। 29 तक अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी कर दिए जाएंगे। इस पर दस मार्च तक शासन के पास आपत्ति दर्ज कराई जा सकेगी। इसका निस्तारण 20 मार्च तक करने के बाद पांच अप्रैल तक निरीक्षण मंडल का गठन किया जाएगा। 30 अप्रैल तक इसकी रिपोर्ट दी जाएगी, जिस पर 18 मई तक मान्यता जारी कर दी जाएगी।

किसी तरह की आपत्ति होने पर 31 मई तक शासन के पास आपत्ति दर्ज कराई जाएगी। 20 जून तक इनका निस्तारण होगा। 30 जून को जिन महाविद्यालयों की मान्यता समाप्त हो रही है, उन्हें भी दोबारा आवेदन करना होगा। पूर्व संचालित पाठ्यक्रमों की 35,400 रुपये तथा नए कोर्स के लिए 59,000 रुपये फीस तय की गई है।

i-NEXT PAGE 4

नए कॉलेजों और कोर्सों को 18 मई तक संबद्धता

5 फरवरी तक जमा किए जा सकेंगे आनलाइन अनापत्ति प्रस्ताव

एमएड सेमेस्टर परीक्षा केंद्रों की सूची जारी

LUCKNOW (2 Feb): लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2024-25 के लिए नए कालेजों एवं पाठ्यक्रमों (बीएड को छोड़कर) को संबद्धता देने की समय सारिणी में संशोधन कर दिया है. अब अनापत्ति प्रस्ताव पांच फरवरी तक आनलाइन जमा किया जा सकेगा. 29 फरवरी तक अनापत्ति आदेश आनलाइन जारी किया जाएगा. इसके बाद संस्थान को 30 मार्च तक निरीक्षण मंडल के लिए एलयू में आवेदन करना होगा. निरीक्षण मंडल को अपनी रिपोर्ट 30 अप्रैल तक देनी होगी. कालेजो को आनलाइन संबद्धता 18 मई तक दी जाएगी. कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने इस संबंध में शुक्रवार को निर्देश जारी किए हैं.

पांच जिलों में 561 महाविद्यालय

एलयू से संबद्ध पांच जिलों में 561 महाविद्यालय हैं. नए कालेजो एवं पाठ्यक्रमो के लिए अनापत्ति प्रस्ताव लखनऊ विश्वविद्यालय ने एमएड विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए केंद्रों की सूची जारी कर दी है. इसके लिए एएनडी टीटी कालेज सीतापुर, दयानंद बछरावां डिग्री कालेज रायबरेली और लखनऊ विश्वविद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया गया है. इनमें 19 कालेजों के परीक्षार्थी आवंटित किए गए हैं. केंद्रों की विस्तृत सूचना वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर अपलोड की गई है. एमएड तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 10 से 22 फरवरी और प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 12 से 23 फरवरी तक होंगी.

इग्नू में 15 फरवरी तक होंगे दाखिले

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने शैक्षिक सत्र 2024-25 के तहत जनवरी सत्र में दाखिले के लिए तिथि बढ़ा दी है. अब अभ्यर्थी आनलाइन मोड के माध्यम से 44 और ओडीएल (ओपन डिस्टेंस लर्निंग) मोड के जरिए 300 से ज्यादा प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, स्नातक, परास्नातक एवं पाठ्यक्रम पाठ्यक्रमों में 15 फरवरी तक प्रवेश ले सकते हैं. इग्नू लखनऊ की वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डा. मनोरमा सिंह ने बताया कि अभी तक एक से 31 जनवरी तक प्रवेश के लिए तिथि निर्धारित थी. अब इसे 15 फरवरी तक बढ़ा दिया गया है.

आनलाइन जमा करने की प्रक्रिया 15 दिसंबर को समाप्त हो गई थी. एलयू ने इसकी तिथि बढ़ा दी है. विश्वविद्यालय में आनलाइन जमा किए गए प्रस्तावों के भूमि संबंधी अभिलेखो का राज्य विभाग से सत्यापन 20 जनवरी तक कराया जाएगा. 29 फरवरी तक अनापत्ति आदेश जारी होंगे. इसके खिलाफ शासन में अपील करने की तिथि 10 मार्च तय की गई है.

स्थायी सहयुक्तता नहीं ली तो प्रवेश प्रतिबंधित

कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह के अनुसार कालेजों में ऐसे पाठ्यक्रम जिनकी संबद्धता 30 जून तक है. उन सभी को स्थायी सहयुक्तता के लिए आनलाइन पोर्टल पर आवेदन करना होगा. निरीक्षण मंडल प्राप्त कर स्थलीय निरीक्षण का प्रस्ताव समय सारिणी के अनुसार भेजना जरूरी है. अन्यथा सत्र 2024-25 से ऐसे पाठ्यक्रमों में अगले सत्र से प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा.

JAGRAN CITY PAGE III

'समागम' के लिए पंजीकरण अनिवार्य

देश के केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति और शिक्षाविद होंगे शामिल

से 17 फरवरी तक होगा अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम-2024

जासं, लखनऊ : विद्या भारतीय शिक्षा संस्थान, उच्च शिक्षा विभाग और लखनऊ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 15 से 17 फरवरी तक अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम-2024 का आयोजन किया जाएगा। इसमें देश के विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति, निजी विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति, कुलपति एवं स्वायत्त संस्थानों के निदेशक, प्रमुख, आचार्य एवं शिक्षाविद प्रतिभाग करेंगे।

लवि से सम्बद्ध लखनऊ, हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर व रायबरेली के कालेजों को पंजीकरण http://vbuss.ogs/form/nsil_2024 कराते हुए इसमें अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करना होगा। इस संबंध में कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने सभी कालेजों को निर्देश जारी किए हैं। अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम-2024 में नई शिक्षा नीति-2020 के तहत प्रतिभाग करने वाले कुलपति, कुलाधिपति, शिक्षाविद आदि सर्वोत्तम प्रथाओं, बहु विषयक शिक्षा, अकादमिक बैंक आफ क्रेडिट, एनसीआरएफ एवं एचईआइ में भारतीय ज्ञान प्रणाली का एकीकरण, समग्र शिक्षा के लिए अनुसंधान एवं नवाचार, संस्थागत सहयोग एवं शैक्षणिक संबंध एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर व्याख्यान दिया जाएगा।

बैक पेपर की प्रयोगात्मक परीक्षा नौ को : लखनऊ विश्वविद्यालय के भू-विज्ञान विभाग में बी.एससी तीसरे व पांचवें सेमेस्टर (गैर एनओपी, ओल्ड कोर्स एज्यूकेटेड, बैक पेपर) के छात्र-छात्राओं की प्रयोगात्मक परीक्षा नौ फरवरी को होगी। विभाग के हेड प्रोफेसर ध्रुव सेन सिंह ने इसकी समय सारिणी जारी की है। तीसरे सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षा नौ फरवरी को सुबह 10.30 बजे और पांचवें सेमेस्टर की दोपहर एक बजे से रिपोर्ट करनी होगी।

एमएड सेमेस्टर परीक्षा केंद्रों की सूची जारी

लखनऊ विश्वविद्यालय ने एम.एड विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए केंद्रों की सूची जारी कर दी है। इसके लिए एएनडी टीटी कालेज सीतापुर, दयानंद बछरावां डिग्री कालेज रायबरेली और लखनऊ विश्वविद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इनमें 19 कालेजों के परीक्षार्थी आवंटित किए गए हैं। केंद्रों की विस्तृत सूचना वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर अपलोड की गई है। एम.एड तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 10 से 24 फरवरी और प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 12 से 26 फरवरी तक होंगी।

अब नए कालेजों व कोर्सों को सम्बद्धता 18 मई तक

पांच फरवरी तक जमा किए जा सकेंगे आनलाइन अनापत्ति प्रस्ताव लवि ने सत्र 2024-25 के लिए समय सारिणी में किया संशोधित

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2024-25 के लिए नए कालेजों एवं पाठ्यक्रमों (बी.एड को छोड़कर) को सम्बद्धता देने की समय सारिणी में संशोधन कर दिया है। अब अनापत्ति प्रस्ताव पांच फरवरी तक आनलाइन जमा किया जा सकेगा। 29 फरवरी तक अनापत्ति आदेश आनलाइन जारी किया जाएगा। इसके बाद संस्थान को 30 मार्च तक निरीक्षण मंडल के लिए लवि में आवेदन करना होगा। निरीक्षण मंडल को अपनी रिपोर्ट 30 अप्रैल तक देनी होगी। कालेजों को आनलाइन सम्बद्धता 18 मई तक दी जाएगी। कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने इस संबंध में शुक्रवार को निर्देश जारी किए हैं।

लवि से सम्बद्ध पांच जिलों में 561 महाविद्यालय हैं। नए कालेजों एवं पाठ्यक्रमों के लिए अनापत्ति प्रस्ताव आनलाइन जमा करने की प्रक्रिया 15 दिसंबर को समाप्त हो गई थी। लवि ने इसकी तिथि बढ़ा दी है। विश्वविद्यालय में आनलाइन जमा किए गए प्रस्तावों के भूमि संबंधी अभिलेखों का राज्य विभाग से सत्यापन 20 जनवरी तक कराया जाएगा। 29 फरवरी तक अनापत्ति आदेश जारी होंगे। इसके खिलाफ शासन में अपील करने की तिथि 10 मार्च तक बढ़ा दी गई है।

स्थायी सहयुक्तता नहीं ली तो प्रवेश प्रतिबंधित : कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह के अनुसार कालेजों में ऐसे पाठ्यक्रम जिनकी सम्बद्धता 30 जून तक है। उन सभी को स्थायी सहयुक्तता के लिए आनलाइन पोर्टल पर आवेदन करना होगा। निरीक्षण मंडल प्राप्त कर स्थलीय निरीक्षण का प्रस्ताव समय सारिणी के अनुसार भेजना जरूरी है। अन्यथा सत्र 2024-25 से ऐसे पाठ्यक्रमों में अगले सत्र से प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

PIONEER PAGE 4

इंटर हॉस्टल कॉम्पिटिशन फेस्ट के चौथे दिन प्रतियोगिताएं सम्पन्न

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के संरक्षण में इंटर हॉस्टल कॉम्पिटिशन फेस्ट. 2024 के चौथे दिन हबीबुल्लाह हॉल में वाद-विवाद और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमे सभी प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। संबंधित प्रतियोगिताओं के निर्णायक प्रोफेसर आनंद विश्वकर्मा, डॉ अनित्य गौरव और डॉ सत्यकेतु रहे। वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय था कृत्रिम.बुद्धिमता: शाप अथवा वरदान और पोस्टर मेकिंग का विषय आध्यात्मिक आधार पर विकसित भारत 2047 रहा। वाद.विवाद प्रतियोगिता अंचल वर्मा, एचजेबी हॉल ने जीती। जबकि पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता अंकित यादव, हबीबुल्लाह हॉल ने जीती। इसी के साथ क्रिकेट का सेमी फाइनल एलयूएए ग्राउंड में हुआ और लड़कियों का बैडमिंटन मैच स्टाफ क्लब इंडोर बैडमिंटन कोर्ट में आयोजित किया गया।

TOI PAGE 4

'Philosophy of Upadhyay is eternal'

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Social work subject and thoughts are similar to the teachings of Pandit Deendayal Upadhyay as both put human beings and their welfare at the core. These views were expressed by professor and researcher Bipin Jojo of Tata Institute of Social Sciences, Mumbai, during a special lecture organised under the Pandit Deendayal Upadhyay Research Chair by social work department of Lucknow University on Friday.

"Just as social work accepts the universality of the welfare of the individual, similarly the welfare of the individual is implicit in the thinking of Upadhyay. The philosophy of Upadhyay is eternal and the subject of social work gets nourishment from the thoughts of such great personalities," said Jojo. He said there was a need to understand his philosophy of 'Integral Humanism', which states that material tools are not the only means of human happiness. "Materialism alone cannot lead to solution of all problems," he said.

AMRIT VICHAR PAGE 4

महिला छात्रावास में आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभाग करतीं छात्राएं।

एचजेबी हॉल के नाम रही कृत्रिम बुद्धिमता प्रतियोगिता

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में अंतर छात्र प्रतियोगिताओं के आयोजन हो रहे हैं। ऐसे में कृत्रिम बुद्धिमता पर आयोजित प्रतियोगिता में एचजेबी हॉल ने जीत दर्ज की। लविवि में आयोजित प्रतियोगिता के चौथे दिन हबीबुल्लाह हॉल में वाद-विवाद और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें सभी संकायों के छात्रों ने प्रतिभाग किया। कृत्रिम बुद्धिमता : शाप अथवा वरदान पर विषयवार प्रस्तुतियां हुईं। जिसमें सभी ने अपना पक्ष रखा। कई चरणों में आयोजित प्रतियोगिता एचजेबी हॉल के नाम रही। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का विषय आध्यात्मिक आधार पर विकसित भारत 2047 रहा। ये प्रतियोगिता हबीबुल्ला हाल के अंकित यादव ने जीती। प्रतियोगिता के दौरान निर्णायक मण्डल की भूमिका का निर्वहन प्रोफेसर आनंद विश्वकर्मा, डॉ . अनित्य गौरव और डॉ. सत्यकेतु ने किया।

स्टॉफ क्लब में हुआ बैडमिंटन मैच

स्टॉफ क्लब में बैडमिण्टन मैच का आयोजन हुआ। जिसमें महिला प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता प्रो . संगीता साहू और दीप प्रोवोस्ट प्रो . अनूप कुमार सिंह की देखरेख में संपन्न हुई। संचालन डॉ . मोहम्मद तारिक, डॉ . अर्चना द्वारा किया गया।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि ने 12 कर्मचारियों को दी प्रोन्नति

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को 12 कर्मचारियों को विभिन्न पदों पर प्रोन्नति दी गई। इसमें मार्केटिंग प्रसाद तिवारी को सहायक अभियंता सिविल, सैय्यद हसन भी, जैदी, मनोज कुमार वर्मा, राकेश कुमार सोनी, संजीव कुमार सिन्हा, अयोध्या प्रसाद गौतम, राकेश चंद्रा को प्रधान सहायक बनाया गया। सुशील कुमार कश्यप, सूर्य प्रकाश श्रीवास्तव, विजय कुमार द्वितीय को वरिष्ठ प्रधानसहायक सहायक एवं रामलखन को दफ्तरी पद पर प्रोन्नति दी गई। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी को बधाई दी।

पाठ्यक्रम में शामिल करें पंडित दीन दयाल उपाध्याय के विचार : प्रोफेसर बिपिन

जासं, लखनऊ : समाज कार्य विषय और पंडित दीनदयाल के चिंतन का लक्ष्य समरूप है। दोनों के केंद्र में मानव मात्र है। जिस प्रकार समाज कार्य व्यक्ति के कल्याण की सार्वभौमिकता को स्वीकारता है, उसी प्रकार दीनदयाल उपाध्याय के चिंतन में भी व्यक्ति का कल्याण निहित है। यह विचार मुंबई स्थित टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसेज के डीन रिसर्च प्रोफेसर बिपिन जोजो ने मुख्य वक्ता के रूप में लवि के समाज कार्य विभाग में हुई राष्ट्रीय कार्यशाला में रखे।

पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचार एवं समाज कार्य व्यवसाय विषय पर आयोजित कार्यशाला में मुख्य वक्ता ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय का दर्शन सर्वकालिक है। ऐसे महानुभावों के विचारों से समाज कार्य विषय को पोषण मिलता है। दिल्ली स्कूल आफ सोशल वर्क की प्रो. पामेला सिंगला ने कहा कि समाज कार्य के पाठ्यक्रम में दीनदयाल के विचारों को शामिल करना होगा, जिससे विद्यार्थियों को उद्देश्य हासिल करने में समस्या न हो। कार्यशाला में काशी विद्यापीठ से आईं प्रो. भावना वर्मा, समाज कार्य विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डा. राज सिंह, डा. एएन. सिंह, डा. अर्चना सिंह, शोध पीठ के निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने भी विचार रखे।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि से 12 कर्मियों को मिली प्रोन्नति

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के 12 कर्मियों की प्रोन्नति हुई है। इसमें पहला नाम निर्माण विभाग के अवर अभियंता मारकण्डेय प्रसाद तिवारी का है। इन्हें सहायक अभियंता के रूप में प्रोन्नत किया गया है। इसी तरह कुल सचिव कार्यालय के सै. हसन भी. जैदी प्रधान सहायक बने हैं। इसी पद पर राकेश चन्द्र, विनोद कुमार तिवारी, अयोध्या प्रसाद गौतम, संजीव कुमार सिंहा, राकेश कुमार सोनी और मनोज कुमार वर्मा सम्मिलित किये गए हैं। सुशील कुमार कश्यप, सूर्य प्रकाश श्रीवास्तव, विजय कुमार द्वितीय वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक बनाए गए है। दफ्तरी के पद पर रामलखन की नियुक्ति हुई है।

पं .दीनदयाल के विचार बने प्रेरक : प्रो . बिपिन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरुआत करते मुख्य अतिथि प्रो . बिपिन जोजो व अन्य।

50 वर्षों का खाका किया था तैयार

काशी विद्यापीठ की प्रोफेसर भावना वर्मा ने बताया कि पं . दीनदयाल ने 50 वर्षों का जो कार्यक्रम बनाया था, वो अब साकार हो रहा है। कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में डॉ . ए.एन. सिंह, डॉ . अर्चना सिंह, डॉ . रमेश कुमार सिंह, डॉ . सहादत हुसैन सहित अन्य ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय आए टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज मुंबई के डीन रिसर्च प्रोफेसर बिपिन जोजो ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय का जीवन और उनके विचार सभी को प्रेरणा देने वाले हैं। इसे जीवन में लाए जाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि पं. दीनदयाला का दर्शन सर्वकालिक है और ऐसे विचारों से सामाजिक कार्यों को पोषण मिलता है। उद्घाटन सत्र की सह अध्यक्षता करते हुए विवि के प्रति कुलपति प्रो. अरविंद अवस्थी ने बताया कि वर्तमान सरकार इन्हीं के मार्ग पर चलकर भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। कार्यशाला में शोध पीठ के निदेशक और विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने कार्यशाला की प्रासंगिकता एवं उद्देश्यों को बताया।

इस अवसर पर प्रो. डीके सिंह, कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी, डॉ. अन्विता वर्मा, डॉ. रमेश त्रिपाठी, डॉ. रजनीश यादव, डॉ. मधुशिखा श्रीवास्तव एवं विवि के छात्र - छात्राएं उपस्थित रहे।

विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए अनापत्तियों का खाका तैयार

लखनऊ विश्वविद्यालय में नए पाठ्यक्रम होंगे शामिल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

भूमि संबंधी अभिलेखों का होगा सत्यापन

» हिंदू एमए सहित अन्य की हो चुकी है प्रशासनिक पोषणा

अमृत विचार : नवीन सत्र में हिंदू एमए अध्ययन सहित अन्य विषयों को पाठ्यक्रमों में शामिल किये जाने का खाका लखनऊ विश्वविद्यालय ने तैयार कर लिया है। इसको लेकर अनापत्तियों एवं सहयुक्तता के प्रस्तावों के लिए आवेदन भी मांगे जा रहे हैं, ताकि आगे चलकर कोई समस्या न हो सके।

लविवि स्वयं व अपने से संबद्ध महाविद्यालयों में नवीन सत्र में नए पाठ्यक्रमों को शामिल करने जा रहा है। इसमें एमए हिंदू सहित अन्य विषय जुड़ रहे हैं। विवि के कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह का कहना है कि बीएड पाठ्यक्रमों को छोड़कर नवीन पाठ्यक्रमों के लिए विवि और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में अनापत्ति प्रस्तावों का ऑनलाइन अवलोकन किया जा रहा है। निस्तारण को लेकर व्यवस्थाएं पूरी की गई हैं। विवि में अनापत्तियों को जमा करने की अंतिम तिथि 5 फरवरी तय है।

भाषाओं को जल्द शुरू करने के लिए भूमि संबंधी अभिलेखों का सत्यापन कराया जा रहा है। इससे राजस्व विभाग की मदद ली गई है। कुल सचिव का कहना है कि इसी के बाद विभागीय खाके को अंतिम रूप दिया जाएगा।

निरीक्षण मंडल का गठन

नए सत्र में जो पाठ्यक्रम सम्मिलित हो रहे हैं, उनके लिए निरीक्षण मंडल का गठन हुआ है। सहयुक्त महाविद्यालय लखनऊ, हरदोई, रायबरेली, सीतापुर और लखीमपुर खीरी में भी ऐसी ही व्यवस्था करवाई जा रही है।

लविवि परीक्षा में 194 छात्र मिले अनुपस्थित

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में परीक्षाओं के आयोजन हुए। दो पालियों में आयोजित सम सेमेस्टर की परीक्षाओं में 194 छात्र अनुपस्थित रहे। अनुपस्थिति को लेकर परीक्षा नियंत्रक की ओर से सवाल-जवाब भी किए गए।

लविवि की परीक्षाएं आयोजित की जा रही है। शुक्रवार को भी लखनऊ के अलावा सीतापुर, लखीमपुर खीरी, रायबरेली, बाराबंकी जनपदों में परीक्षा के आयोजन हुए। ऐसे में प्रथम पाली में 69 छात्र और 116 छात्राएं अनुपस्थित मिले। दूसरी पाली में 9 छात्राएं अनुपस्थित मिलीं। कुल 194 छात्रों की अनुपस्थिति को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक की ओर संबंधित सूचनाएं मांगी गई हैं।

लविवि के 12 कर्मियों को मिली प्रोन्नति

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के 12 कर्मियों की प्रोन्नति हुई है। इसमें पहला नाम निर्माण विभाग के अवर अभियंता मारकण्डेय प्रसाद तिवारी का है। इन्हें सहायक अभियंता के रूप में प्रोन्नत किया गया है। इसी तरह कुल सचिव कार्यालय के सै. हसन भी. जैदी प्रधान सहायक बने हैं। इसी पद पर राकेश चन्द्र, विनोद कुमार तिवारी, अयोध्या प्रसाद गौतम, संजीव कुमार सिंहा, राकेश कुमार सोनी और मनोज कुमार वर्मा सम्मिलित किये गए हैं। सुशील कुमार कश्यप, सूर्य प्रकाश श्रीवास्तव, विजय कुमार द्वितीय वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक बनाए गए है। दफ्तरी के पद पर रामलखन की नियुक्ति हुई है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

वाद-विवाद प्रतियोगिता में अंचल और पोस्टर मेकिंग में अंकित विजयी

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के संरक्षण में इंटर हॉस्टल कॉम्पिटिशन फेस्ट-2024 के चौथे दिन हबीबुल्लाह हॉल में वाद-विवाद और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें सभी प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। संबंधित प्रतियोगिताओं के निर्णायक प्रो.आनंद विश्वकर्मा, डॉ.अनित्य गौरव और डॉ.सत्यकेतु रहे। वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय था कृत्रिम-बुद्धिमत्ता: शाप अथवा वरदान और पोस्टर मेकिंग का विषय आध्यात्मिक आधार पर विकसित भारत 2047 रहा। वाद-विवाद प्रतियोगिता अंचल वर्मा,एचजेबी हॉल ने जीती, जबकि पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता अंकित यादव, हबीबुल्ला हॉल ने जीती। इसी के साथ क्रिकेट का सेमी फाइनल एलयूएए ग्राउंड में हुआ और लड़कियों का बैडमिंटन मैच स्टाफ क्लब इंडोर बैडमिंटन कोर्ट में आयोजित किया गया। सभी कार्यक्रम सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से डॉ. एन.एस. सिंह, डॉ. एल.पी. सिंह, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. रमेश कुमार सिंह, डॉ. सहादत हुसैन आदि की मौजूदगी में संपन्न हुए। इन सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागियों के सफल संचालन में प्रो.मनीषा बनर्जी, डॉ.राजेश्वर यादव, प्रो.मनोज वर्मा,डॉ.प्रेमी शुक्ला, डॉ.महेंद्र अग्निहोत्री, डॉ.मोहम्मद तारिक, डॉ.अर्चना सिंह, डॉ.मनीषा शुक्ला ,डॉ.सुधम श्रीवास्तव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दीनदयाल के अध्ययन से मिलेगा समाज कार्य विषय को पोषण : प्रो.बिपिन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। समाज कार्य विषय और पंडित दीनदयाल के चिंतन का लक्ष्य समरूप है, दोनो के केंद्र में मानव मात्र है, दोनों का दर्शन मानव कल्याण को प्रेरित करता है। जिस प्रकार समाज कार्य व्यक्ति के कल्याण की सार्वभौमिकता को स्वीकारता है उसी प्रकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चिंतन में भी व्यक्ति का कल्याण निहित है। यह विचार लविवि के समाज कार्य विभाग में दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के अंतर्गत पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचार एवं समाज कार्य व्यवसाय शीर्षक से आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में मुंबई स्थित टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के डीन रिसर्च प्रो. बिपिन जोजो ने मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि उपाध्याय का दर्शन सर्वकालिक है और ऐसे ही महानुभावों के विचारों से समाज कार्य विषय को पोषण मिलता है। उदघाटन सत्र की सह अध्यक्षता करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. अरविन्द अवस्थी ने बताया कि वर्तमान सरकार उपाध्याय के स्वदेशी के मार्ग पर चल रही है और यदि ऐसे ही रहा है तो भारत विश्व की तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बन जायेगा, जबकि अभी हम पांचवे पायदान पर हैं। साथ ही स्वदेशी के आधार पर ही केंद्र सरकार ने मेक इन इंडिया के विचार को विकसित किया है जिससे भारत में रोजगार के अवसरों में वृद्धि हुई है।

कार्यशाला के गोल मेज सत्र की अध्यक्षता करते हुए दिल्ली स्कूल ऑफ सोशल वर्क की प्रो. पामेला सिंगला ने पंडित जी के जीवन पर प्रकाश डाला और बताया कि किस प्रकार समाज कार्य उनके विचारों से लाभान्वित हो सकता है। हमें समाज कार्य के पाठ्यक्रम में दीनदयाल के विचारों को सम्मिलित करना होगा, जिससे विद्यार्थियों को अपना उद्देश्य हासिल करने में समस्याओं का सामना न करना पड़े। इसी सत्र की सह-अध्यक्षा काशी विद्यापीठ से आयी प्रो. भावना वर्मा ने कहा कि पंडित जी ने तत्कालिक रूप से अगले 50 वर्षों का कार्यक्रम प्रस्तुत किया था जो अब साकार हो रहा है। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा कि उनके विचारों को आत्मसात कर समाज कार्य अपने उद्देश्यों की प्राप्ति सरलता से कर सकता है। इसी क्रम में विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. राज कुमार सिंह ने समाज कार्य और उपाध्याय के चिंतन में सह-सम्बन्ध स्थापित करते हुए अपना वक्तव्य दिया। कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में डॉ. एएन सिंह, डॉ. अर्चनासिंह, डॉ. रुपेशकुमारसिंह, डॉ. सहादत हुसैन आदि की उपस्थिति रही। कार्यशाला में शोध पीठ के निदेशक और विभागाध्यक्ष प्रो.अनूप कुमार भारतीय ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और कार्यशाला की प्रासंगिकता एवं उद्देश्यों को बताया। कार्यशाला में प्रो. डीके सिंह, विवि के कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी, डॉ. अन्विता वर्मा, डॉ. रमेश त्रिपाठी, डॉ. रजनीश यादव, डॉ. मधुशिखा श्रीवास्तव एवं विवि के छात्र - छात्राएं उपस्थित रहे।

HT PAGE 6

महानुभावों के विचारों से समाज कार्य को मिलता है पोषण : प्रो. बिपिन जोजो

- लविवि के समाज कार्य विभाग में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के तहत हुई कार्यशाला

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। समाज कार्य विषय और पंडित दीनदयाल के चिंतन का लक्ष्य समरूप है। दोनों के केंद्र में मानव मात्र है, दोनों का दर्शन मानव कल्याण को प्रेरित करता है, जिस प्रकार समाज कार्य व्यक्ति के कल्याण की सार्वभौमिकता को स्वीकारता है। उसी प्रकार उपाध्याय जी के चिंतन में भी व्यक्ति का कल्याण निहित है।

यह विचार शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के अंतर्गत पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचार एवं समाज कार्य व्यवसाय शीर्षक से आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में मुंबई स्थित टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के डीन रिसर्च प्रो. बिपिन जोजो ने मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किये।

उन्हो